पाठ्यक्रम
बी0ए0 हिन्दी

बी0ए0 प्रथम वर्ष

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न–पत्र – आधुनिक हिन्दी कविता 100
(द्विवेदी युगीन एवं छायावादी कविता)
द्वितीय प्रश्न–पत्र – गद्य साहित्य विभिन्न विधाएँ 100

बी0ए0 प्रथम वष

द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न–पत्र – आधुनिक हिन्दी कविता 100
(प्रगतिवादी एवं प्रयोगवादी कविता)

द्वितीय प्रश्न–पत्र – गद्य साहित्य की विधाएँ 100
(कहानी एवं उपन्यास)

बी0ए0 द्वितीय वर्ष

तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न–पत्र – भक्ति कालीन हिन्दी काव्य 100
द्वितीय प्रश्न–पत्र –आदि कालीन एवं भक्ति कालीन हिन्दी साहित्य का इतिहास 100

बी0ए0 द्वितीय वर्ष
चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न–पत्र – रीति कालीन हिन्दी काव्य 100
द्वितीय प्रश्न–पत्र –रीति कालीन एवं आधुनिक कालीन हिन्दी साहित्य का इतिहास 100

बी0ए0 तृतीय वर्ष

पंचम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न–पत्र – काव्य भाषा और हिन्दी भाषा 100
द्वितीय प्रश्न–पत्र – भारतीय काव्यशास्त्र तथा हिन्दी आलोचना 100
तृतीय प्रश्न–पत्र – प्रयोजन मूलक हिन्दी 100

षष्ठ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न–पत्र– सामान्य हिन्दी (व्याकरण) 100
द्वितीय प्रश्न–पत्र– पाश्चात्य काव्यशास्त्र 100
तृतीय प्रश्न–पत्र – मौखिकी परीक्षा 100

बी0ए0 प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम
प्रथम सेमेस्टर
हिन्दी प्रथम प्रश्नपत्र

आधुनिक हिन्दी कविता

(द्विवेदी युगीन एवं छायावादी कविता) पूर्णांक : 100

लिखित–80
आन्तरिक–20

पाठ्यांश

इकाई–1 मैथिलीशरण गुप्त
साकेत (अष्टम सर्ग) (तदनन्तर बैठी सभा के आगे से अन्त तक।)

इकाई–2 जयशंकर प्रसाद कामायनी चिन्ता
महाकाव्यत्व, कथावस्तु, काव्य सौष्ठव

इकाई–3 सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' – जूही की कली, सध्या सुंदरी, बादलराग (तिरती समीर सागर पर)

इकाई–4 सुमित्रा नन्दन पन्त – भारतमाता, (प्रथम 1940 संस्करण का पाठ) बादल, दुत झरो जगत के जीर्ण पत्र, नौकाविहार

इकाई–5 महादेवी वर्मा– मैं अनन्त पथ में लिखती जो, वे मुस्कराते फूल नहीं, रजनी ओढ़े जाती थी, करो जीवन का वरदान, अलि कैसे उनको पाऊँ, बिरह का जलजात जीवन।

आन्तरिक परीक्षा

बी0ए0 प्रथम वर्ष
प्रथम सेमेस्टर
हिन्दी द्वितीय प्रश्न–पत्र

पूर्णांक : 100

गद्य साहित्य की विभिन्न विधाएँ

लिखित–80 **निबन्ध नाटक एकांकी**

आन्तरिक–20

पाठ्यां"ा

इकाई–1 निबन्ध :

बालकृष्ण भट्ट	आँसू
बालमुकुन्द गुप्त	एक दुराशा

इकाई–2

रामचन्द्र शुक्ल	लोभ और प्रीति
हजारी पसाद द्विवेदी	कुटज

इकाई–3

हरिशंकर परसाई	सदाचार का ताबीज
विद्या निवास मिश्र	मेघदूत का संदेश
कुबेर नाथ राय	निषाद बाँसु

इकाई–4 नाटक :

जयशंकर प्रसाद	ध्रुवस्वामिनी

इकाई–5 एकांकी :

रामकुमार वर्मा	औरंगजेब की आखिरीरात
उपेन्द्रनाथ अश्क	सूखी डाली
लक्ष्मी नारायण लाल	व्यक्तिगत

विष्णु प्रभाकर और वह न जा सकी।

आन्तरिक परीक्षा

बी0ए0 प्रथम वर्ष

द्वितीय सेमेस्टर

हिन्दी प्रथम प्रश्नपत्र

आधुनिक हिन्दी कविता

प्रगतिवादी एवं प्रयोगवादी कविता

पूर्णांक : 100

लिखित–80

आन्तरिक–20

पाठ्यांश

इकाई–1 नागार्जुन – बादल को घिरते देखा है,बहुत दिनों के बाद

इकाई–2 केदारनाथ अग्रवाल– बसन्ती हवा, वीरांगना

इकाई–3 अज्ञेय एक बूँद सहसा उछलीं, साम्राज्ञी का नेवेद्यदान, नदी के द्वीप।

इकाई–4 गजानन माधव मुक्तिबोध ब्रह्मराक्षस

इकाई–5 त्रिलोचन शास्त्री – अमोला, सानेट–5

आन्तरिक परीक्षा

सहायक ग्रन्थ –

1 आधुनिक हिन्दी कवि – विश्वभर 'मानव' – राम किशोर शर्मा

2. कवि परम्परा – प्रभाकर श्रोत्रीय

बी0ए0 प्रथम वर्ष

द्वितीय सेमेस्टर

द्वितीय प्र"न पत्र

हिन्दी गद्य साहित्य (कहानी एवं उपन्यास)

पूर्णांक : 100

लिखित–80

आन्तरिक–20

पाठ्यांश

इकाई–1 कहानी का उद्भव एवं विकास

इकाई–2 कहानी :

चन्द्रधर शर्मा गुलेरी	उसने कहा था
प्रेमचन्द्र	पूस की रात
जयशंकर प्रसाद	आकाश दीप

इकाई–3

जैनेन्द्र कुमार	पत्नी
अमरकान्त	जिन्दगी और जोक
ऊषा पियंबदा	वापसी
कमलेश्वर	दिल्ली में एक मौत

इकाई–4 उपन्यास का उद्भव एवं विकास

यशपाल दिव्या

आन्तरिक परीक्षा

अनु”ांसित ग्रन्थ–

1– नई कहानी संदर्भ और प्रकृति–– देवी प्रसाद अवस्थी

2– हिन्दी गद्य साहित्य का इतिहास– रामचन्द्र तिवारी वि”व विद्यालय प्रका”ान

3– हिन्दी नाटक उद्भव एवं विकास – द”ारथ ओझा, राज पाल एण्ड सन्स

4– हिन्दी नाटक –बच्चन सिंह

पाठ्यक्रम बी0ए0 द्वितीय वर्ष

तृतीय सेमेस्टर

हिन्दी प्रथम प्रश्न–पत्र – भक्ति कालीन हिन्दी काव्य

पूर्णांक : 100
लिखित 80
आन्तरिक 20

पाठ्यांश

निर्धारित कवि एवं कविताएँ

इकाइ–1. कबीरदास :

(क) ज्ञान विरह को अंग (आठ साखी)
(ख) परचा को अंग (आठ साखी)
(ग) सुमिरन को अंग (पाँच साखी)।

प्रारम्भिक साखी के अंश उल्लिखित हैं–

(क) ज्ञान विरह को अंग

1. हिरदैं भीतर दौं बल
2. झल उठी झोली जली
3. दीपक पावक आणियां
4. दौ बौंगी
5. पाणी माहँ परजली
6. गुरु दांधा बेली जन्या
7. अहेणी दौ लाइया
8. समुन्दर लागी आगि

(ख) परचा को अंग

1. परब्रह्म के तेज का
2. अगम अगोचर गमि नहीं
3. अंतरि कँवल प्रकासिया
4. कबीर तेज अनंत का
5. कौतिग दीठा देह बिन
6. हद छाँड़ि बेहद गया
7. सायर नाहीं सीप बिन
8. घट मांहे औशट लहा

(ग) सुमिरन को अंग

1. केसो कहि–कहि कूकिये
2. जिहिं हरि जैसा जानिया
3. लम्बा मागर दूरि घर
4. पंच सगी पिब–पिब करै
5. तूँ–तूँ करता तूँ भया

(घ) कुल पाँच पद

1. दुलहिन गावहु मंगलचार
2. मन–रे म नहीं उलटि समांना
3. डगमग छाँड़ि दे मन बौरा
4. बहुरि हम काहे कूँ आवहिंगे
5. जतन बिन मिरगनि खेत उजारे।

इकाइ–2. जायसी 'पदमावत' से नागमती वियोग खण्ड वर्णन

इकाई–3. सूरदास

(क) विनय के पद

1. अविगत गति कछु कहत न आवै
2. हमारे प्रभु औगुन चित न धरौ
3. अब मैं नाच्यौ बहुत गुपाल
4. चरन कमल बंदौ हरि राई
5. माधौ जू यह मेरी इक गाइ
6. जा दिन मन पंक्षी उड़ि जइहैं

(ख) बाल लीला के पद

1. सोभित कर नवनीत लिये
2. किलकत कान्ह घुटुरूवन आवत

(ग) रूप माधुरी के पद

1. बनी मोतिन की माल मनोहर
2. सोभा सिन्धु न अंत लही

(घ) विरह वेदना के पद

1. पूरनता इन नयनन पूरी
2. अँखिया हरि दर्शन की भूखी
3. निरखत अंक श्याम सुन्दर के बार–बार लावति छाती

इकाई–4 भ्रमर गीत के पद

1. आयो घोष बड़ो व्यापारी
2. आये जोग सिखावन पाड़े
3. प्रीति करि दीन्ही गरे छुरी
4. निर्गुन कौन देश के वासी
5. उपमा एक न नैन गही
6. ऊधौ! मन माने की बात

7. उधौ! मन नहिं हाथ हमारे

इकाई–5. तुलसीदास

(क) कवितावली के पद

1. कीर के कागर ज्यों नृप चोर	2. पुर तें निकसीं रघुवीर वधू
3. विन्ध्य के बासी उदासी तपो	4. नाम अजामिल से खल कोटि
5. सुनि सुन्दर बैन सुधारस साने	6. खेती न किसान को

(ख) विनय पत्रिका के पद

1. जाऊँ कहाँ तजि चरन तिहारे	2. कबहुँक अम्ब अवसर पाइ
3. मन पठितैहें अवसर बीते	4. हरि तुम बहुत अनुग्रह कीन्हों
5. अब लौ नसानी अब न नसैहों	6. कबहुँक हौं इहि रहनि रहाँगो

आन्तरिक परीक्षा

अनु"ांसित ग्रन्थ–

कबीर ग्रन्थावली – श्याम सुन्दर दास

भ्रमर गीत सार –आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

विनय पत्रिका –तुलसीदास

<u>पाठ्यक्रम बी0ए0 द्वितीय वर्ष</u>

<u>तृतीय सेमेस्टर</u>

<u>द्वितीय प्रश्न–पत्र –</u>

<u>हिन्दी साहित्य का इतिहास</u> आदि कालीन एवं भक्ति कालीन

पूर्णांक : 100

लिखित 80

आन्तरिक 20

पाठ्यांश

इकाई–1. साहित्योतिहास की सामग्री

(क) हिन्दी साहित्योतिहास के लेखन की परम्परा

(ख) काल विभाजन : और नामकरण

1. आदिकाल (1400 ई0 तक)

(क) हिन्दो का स्वरूप और हिन्दी भाषी क्षेत्र

(ख) हिन्दी साहित्य का आरम्भ (अपभ्रंश, अवहद्ढ और पुरानी हिन्दी का साहित्य)

इकाइ–2 (ग) साहित्यिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संदर्भ

(घ) साहित्य की अभिव्यक्ति का स्वरूप–

(अ) सिद्ध साहित्य (ब) नाथ साहित्य (स) जैन साहित्य (द) रासो साहित्य (य) अमीर खुसरो का हिन्दी साहित्य (र) विद्यापति का काव्य (ल) लौकिक साहित्य (ढोला मारूरा ढूहा...)

इकाई– 3 .भक्ति काल (1400 ई0 से 1600 ई0 तक)

(क) पृष्ठभूमि और सन्दर्भ–

(1) सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, राजनीतिक

(2) साहित्यिक : परम्परा

(ख) सामाजिक तथा धार्मिक आन्दोलन और भक्ति कालीन अभिव्यक्ति का स्वरूप

इकाई–4 (ग) निर्गुण भक्ति साहित्य–

(अ) संत साहित्य और कबीर, संत साहित्य की मुख्य विशेषताएँ

(ब) प्रेमाख्यान काव्य और जायसी, प्रेमाख्यानक काव्य की विशेषताएँ

इकाइ–5 (घ) सगुण भक्ति साहित्य–

(अ) रामकाव्य परम्परा और तुलसी, राम काव्य की विशेषताएँ

(ब) कृष्णकाव्य परम्परा और सूरदास, कृष्ण काव्य की विशेषताएँ

(ङ) भक्तिकाल की सामाजिक तथा सांस्कृतिक चेतना

आन्तरिक परीक्षा

अनु"ांसित ग्रन्थ

1–हिन्दी साहित्य का इतिहास–आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

2–हिन्दी साहित्य का इतिहास– डा0 नगेन्द्र

3–हिन्दी साहित्य की भूमिका–हजारी प्रसाद द्विवेदी

पाठ्यक्रम बी0ए0 द्वितीय वर्ष
चतुर्थ सेमेस्टर
हिन्दी प्रथम प्रश्न–पत्र – रीति कालीन हिन्दी काव्य

पूर्णांक : 100
लिखित 80
आन्तरिक 20

पाठ्यांश

निर्धारित कवि एवं कविताएँ

इकाई–1 बिहारी लाल

1. मेरी भव बाधा हरौ
2. जमकरि मुँह तरहरि परयौ
3. कौन भाँति रहि हैं विरदु
4. या अनुरागी चित्त की
5. मोहन मूरति श्याम की
6. तजि तीरथ हरि राधिका
7. सीस मुकुट कटि काछनी
8. जप माला छापा तिलक
9. मैं समुझया निरधार यह
10. जिन दिन देखे वे कुसुम

इकाई–2
11. बढ़ति–बढ़ति संपति सलिल
12. बैठि रही अति सघन बन
13. रनित भृंग घंटावली
14. अरून सरोरूह कर चरन
15. कहलावे एकत बसंत
16. छकि रसाल सौरभ सने
17. चिर जिवौ जोरी जुरे
18. जागु जुगति सिखयै सबै
19. खेलन सिखचै अली भलै
20. तंगी नाद कवित्त रस

इकाई–3
21. लिखन बैठि जाकी सबी
22. अधर धरत हरि के परत
23. चमचमात चंचल नयन
24. कोटि जतन कीजै तऊ
25. केसरि कसरि क्यों सकै
26. नहि पराग नहि मधुर मधु
27. स्वारथ सुकृतु न श्रम बृथा
28. अज्यौ तरयौं ही रह्यौ
29. कौड़ा आँसू बूँद, कसि कौंकरि बरूनी सजल
30. रस सिंगार मज्जनु किये, कंजन भंजननैन

इकाई–4 7. घनानन्द

1. झलकै अति सुन्दर आनन गौर
2. हीन भये जल मीन अधीन
3. पहिले घन आनंद सींचि सुजान
4. आस ही अकास–मधि अवधि–गुन बढ़ाय
5. घन आनंद जीवन मूल सुजान की
6. कंत रमै उर–अन्दर मैं
7. एरे बीर पौन तेरो सबै ओर गौन

इकाई–5
8. अति सूधसो सनेह को मारगु है
9. कारी कूर कोकिल कहाँ की बैर काढ़तिरी
10. घन आनंद प्यारे सुजान सुनो जिंहि भाँतिनि
11. विरहा रवि सों घट व्योम तव्यौ
12. जिन आँखिनि यप चिन्हारि भई
13. पूरन प्रेम को मंत्र महापन
14. जिन आँखिनि. रूप चिन्हारि भई
15. भोर तें साँझ लौ कानन ओर निहारति

आन्तरिक परीक्षा

सहायक ग्रंथ–

1. मध्यकालीन कविता का पाठ
   जय भारती प्रकाशन, मुट्ठीगंज, इलाहाबाद
   सम्पादक – त्रिभुवन नाथ शुक्ला
2. प्राचीन कवि – विश्वम्भर 'मानव'
3. कवि परम्परा – प्रभाकर श्रोतीय

पाठ्यक्रम बी0ए0 द्वितीय वर्ष
चतुर्थ सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न–पत्र –

पूर्णांक : 100
लिखित 80
आन्तरिक 20

इकाई–1. रीतिकाल (1600 ई0 से 1850 ई0 तक)

(क) भक्ति काव्य के विघटन के कारण और प्रवर्तन को परिस्थितियाँ

(ख) रीति काव्य का वर्गीकरण रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त

इकाई–2 (ग) रीतिकाल की साहित्यिक प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ

(घ) केशव, मतिराम, देव, बिहारी और घनानन्द आदि कवियों का रीति काव्य में योगदान

इकाई–4. आधुनिकाल (1850 क बाद)

(क) मध्ययुगीन बोध और आधुनिकता का अर्थ तथा अन्तर

(ख) पुनर्जागरण और हिन्दी क्षेत्र

(ग) खड़ी बोली गद्य का विकास और प्रयोग

(घ) भारतेन्दु युग

(अ) पुनर्जागरण (ब) पत्रकारिता (स) साहित्य–उन्मेष (द) सामाजिक दृष्टि

(ङ) द्विवेदी युग और नवजागरण : द्विवदी युगीन काव्य प्रवृतियाँ, पत्रकारिता और भाषा संस्कार

(च) विभिन्न काव्य आन्दोलन, प्रवृत्तियाँ और कवि (छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, अकविता आदि)

इकाई–5 (छ) नाटक और रंगमंच, उपन्यास, कहानी, निबन्ध, आलोचना का विकास

(ज) हिन्दी पत्रकारिता : साहित्यिक और सांस्कृतिक योगदान

(झ) नये गद्य रूपों का उदय–यात्रा वृत्तान्त, रिपोर्ताज, जीवनी, आत्मकथा, संस्मरण डायरी आदि

आन्तरिक परीक्षा

अनुशंसित ग्रन्थ

हिन्दी साहित्य का इतिहास	:	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
हिन्दी साहित्य का अतीत (दो खण्ड)	:	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
हिन्दी साहित्य की भूमिका	:	हजारी प्रसाद द्विवेदी
आदि काल	:	हजारी प्रसाद द्विवेदी
रीति काव्य	:	डा0 जगदीश गुप्त
हिन्दी साहित्य का अद्यतन इतिहास	:	प्रो0 मोहन अवस्थी
आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास	:	अज्ञेय
आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ	:	डा0 नामवर सिंह
हिन्दी साहित्य का इतिहास	:	राम किशोर शर्मा
हिन्दी साहित्य का इतिहास	:	डा0 नगेन्द्र
भक्ति काव्य और लोक जीवन	:	शिवकुमार मिश्र
हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	:	डा0 बच्चन सिंह
आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास	:	विजय पाल सिंह

बी0ए0 तृतीय वर्ष
पंचम सेमेस्टर
प्रथम प्रश्न–पत्र – काव्य भाषा और हिन्दी भाषा

पूर्णांक : 100
लिखित 80
आन्तरिक 20

इकाई– 1. सामान्य भाषा तथा काव्य भाषा – काव्य भाषा का स्वरूप और उसकी विशेषताएँ

2. बिम्ब, रूपक और प्रतीक

इकाई– 2. प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ : वैदिक संस्कृत तथा लौकिक संस्कृत का संक्षिप्त परिचय

इकाई–3. मध्य कालीन भारतीय आर्य भाषाओं के विकासात्मक लक्षण तथा विशेषताएँ

(क) पालिः व्युत्पत्ति, ध्वनिगत एवं व्याकरणगत विशेषताएँ

(ख) साहित्यिक प्राकृतः प्राकृत की व्युत्पत्ति, परिनिष्ठत, प्राकृत की ध्वनिगत तथा व्याकरणगत विशेषताएँ

(ग) अपभ्रंशः अवहट्ट की विशेषताएँ

इकाई–4 . पुरानी हिन्दी की अवधारणा और विशेषताएँ

6. हिन्दी और उसकी उप भाषाएः हिन्दी प्रदेश हिन्दी की उपभाषाएं, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजधानी, बिहारी और पहाड़ी का संक्षिप्त परिचय।

7. पूर्वी और पश्चिमी हिन्दी की बोलियाँ, क्षेत्रीय विस्तार तथा भाषागत विशेषताएँ

इकाई–5 8. हिन्दी शब्द भण्डार के स्रोत

9. मानक हिन्दी का संक्षिप्त व्याकरण

10. राजभाषा, राष्ट्रभाषा और सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी

11. देवनागरी लिपि का इतिहास तथा विशेषताएँ

आन्तरिक परीक्षा

अनुशंसित ग्रन्थ

काव्य भाषा पर तीन निबन्ध	: डा0 राम स्वरूप चतुर्वेदी
हिन्दी : उद्भव, विकास और रूप	: डा0 हरदेव बाहरी
हिन्दी भाषा	: डा0 भोला नाथ तिवारी
राजभाषा हिन्दी	: डा0 मलिक मुहम्मद
हिन्दी भाषा का विकास और लिपि का स्वरूप	: डा0 भवानी दत्त उप्रेती
हिन्दी भाषा का विकास	: डा0 राम किशोर शर्मा

बी0ए0 तृतीय वर्ष
पंचम सेमेस्टर
द्वितीय प्रश्न–पत्र – भारतीय काव्यशास्त्र तथा हिन्दी आलोचना

पूर्णांक : 100
लिखित 80
आन्तरिक 20

पाठ्यांश :

इकाई–1 (क) भारतीय–काव्यशास्त्र

1. काव्य की परिभाषा और स्वरूप
2. काव्यशास्त्रीय सम्प्रदायों का संक्षिप्त परिचय (प्राचीन से लेकर आधुनिक तक)–रस सम्प्रदाय, अलंकार सम्प्रदाय, रीति सम्प्रदाय, ध्वनि सम्प्रदाय, वक्रोक्ति सम्प्रदाय और औचित्य सिद्धान्त

इकाई 2. काव्य गुण और काव्य दोष, छन्द की परिभाषा और प्रमुख भेद

इकाई–3 (ग) हिन्दी आलोचना तथा साहित्य चिंतन की नई दिशाएँ–

1. हिन्दी आलोचना का आरम्भ और विकास
2. स्वच्छन्दता वादी समीक्षा और आचार्य नन्द दुलारे बाजपेयी

इकाई–4 3. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की आलोचना दृष्टि

4. रसवादी एवं मनोवैज्ञानिक समीक्षा और डा0 नगेन्द्र
5. प्रगतिवादी समीक्षा : डा0 राम विलास शर्मा एवं डा0 नामवर सिंह

इकाई–5 6. भाषिक समीक्षा और डा0 राम स्वरूप चतुर्वेदी

7. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना दृष्टि

आन्तरिक परीक्षा

अनुशंसित ग्रन्थ

- भारतीय साहित्यशास्त्र : गणेश त्रयम्बक देश पाण्डेय
- भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका : डा0 नगेन्द्र
- संस्कृत आलोचन : बलदेव उपाध्याय
- नयी समीक्षा के नये सन्दर्भ : डा0 नगेन्द्र
- नयी समीक्षा के प्रतिमान : डा0 निर्मला जैन
- समीक्षा सिद्धान्त (अनु0) : रैनैवलेक और वारेन
- संस्कृ काव्यशास्त्र का इतिहास भाग एक–दो : सुनील कुमार डे
- भारतीय काव्यशास्त्र : विजय पाल सिंह
- हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी

बी0ए0 तृतीय वर्ष
पंचम सेमेस्टर
तृतीय प्रश्न–पत्र – प्रयोजन मूलक हिन्दी

पूर्णांक : 100
लिखित 80

आन्तरिक 20

इकाई–1 (क) प्रयोजन मूलक हिन्दी को अवधारणा और उसका अनुप्रयोग

प्रयोजन मूलक हिन्दी की अवधारणा और उसकी प्रवृत्तियाँ

- प्रयोजन मूलक हिन्दी की प्रवृत्तियाँ और उसके प्रयोग क्षेत्र

इकाई–2 प्रयोजन मूलक हिन्दी और पारिभाषिक शब्दावली

- कार्यालयी हिन्दी की प्रकृति

इकाई–3 प्र"ाासनिक हिन्दी की प्रकृति

- प्रशासनिक हिन्दी और उसकी शब्दावली
- प्रशासनिक हिन्दी और उसके प्रकार
- संक्षेपण, टिप्पणी, प्रतिवेदन लेखन एवं निबन्ध लेखन

इकाई–4 (ख) हिन्दी में मीडिया लेखन

- जनसंचार माध्यम : अभिप्राय, स्वरूप और विस्तार
- जनसंचार माध्यमों के प्रकार
- जनसंचार माध्यमों की भाषिक प्रकृति

इकाई–5 समाचार लेखन और हिन्दी

- रेडियो लेखन और हिन्दी
- विज्ञापन लेखन
- सम्पादन कला के सिद्धान्त
- एक–पठन

आन्तरिक परीक्षा

अनुशंसित ग्रन्थ

- प्रयोजन मूल हिन्दी : प्रो0 राम किशोर शर्मा एवं डा0 राममूर्ति शर्मा
- हिन्दी का प्रयोजन मूलक स्वरूप : कैलाश चन्द्र भाटिया
- प्रयोजन मूलक हिन्दी व पत्रकारिता : डा0 मुश्ताक अली
- प्रयोजन मूलक हिन्दी : डा0 विजय कुलश्रेष्ठ
- जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता : अर्जुन तिवारी
- प्रयोजन मूलक हिन्दी : माधव सोनटके
- पत्रकारिता के नये आयाम : एस0के0 दुब

बी0ए0 तृतीय वर्ष

'ाष्ठ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न–पत्र – सामान्य हिन्दी (व्याकरण)

पूर्णांक : 100
लिखित 80
आन्तरिक 20

पाठाय"ा

इकाई–1
क–विलोम या विपरीतार्थक

ख– पर्यायवाची अथवा समानार्थक
ग– अनेकार्थक
घ–समोच्चरित भिन्नार्थक
इकाई–2
क– तत्सम, तद्भव
ख– प्रत्यय, उपसर्ग
ग– वि"ोषण बनाना
इकाई–3
क– वाक्यगत अ"ाुद्धियों का शोधन
ख– मुहावरें एवं लोकोक्तियां
इकाई–4
क– वाक्य परिवर्तन
ख– लिंग एवं वचन परिवर्तन
इकाई–5
क– प्रारूपण,पल्लवन,संक्षेपण एवं पत्र लेखन
आंतरिक परीक्षा
अनु"ांसित ग्रन्थ

बी0ए0 तृतीय वर्ष

'ाश्ठ सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न–पत्र –

मौखिकी

पूणाक : 100

बी0ए0 तृतीय वर्ष

'ाश्ठ सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न–पत्र – पा"चात्य काव्य भाास्त्र

पूर्णांक : 100
लिखित 80
आन्तरिक 20

पाठाय"ा

इकाई–1
अरस्तू का 'अनुकरण सिद्धान्त'

इकाई 2.
लॉजाइनस का 'उदात्त सिद्धान्त'

इकाई 3.
क्रोचे का 'अभिव्यंजनावाद'

इकाई 4.
रिचर्ड्स का मूल्य सिद्धान्त और सम्प्रेषण सिद्धान्त

इकाई 5.
नई समीक्षा

आन्तरिक परीक्षा

अनु"ांसित ग्रन्थ

- पाश्चात्य आलोचना : शान्तिस्वरूप गुप्त
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेन्द्र नाथ शर्मा